आइन्दा दिनांक ......

२७।१०।१५ | पत्रावली पेश हुई। वादीगण वकील अनु०। न्यायालय समय में वादीगण वकील व वादीगण को रुक 2 कर तीन बार आवाज लगाई गई। न तो वादी न ही वकील उप०। न ही वादीगण स्वयं उप० हुये। अतः वादीगण का वाद अदम पैरवी अदम हाजरी में खारीज किया जाता [illegible]

[illegible] पत्रावली फैसल [illegible] होकर दाखिल दफ्तर हो। संख्या मे कम हो।

Signature Not Verified

Digitally signed by Ramji Bhai Kalbi
Date: 2022.11.11 14:34:46 IST
Reason: SelfAttested